S-0 Roll No. ……..

BAJY–302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.-12/16/17

तृतीय वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अष्टकूटों का नामोल्लेख करते हुए भकूट दोषों का वर्णन कीजिए।
2. वैधव्य योगों के परिहारों का निरूपण कीजिए।
3. वधू प्रवेश मुहूर्त्त का निरूपण कीजिए।
4. नाड़ी विचार को लिखते हुए नाड़ी दोष परिहार को लिखिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वश्य विचार को लिखिये।
2. ग्रहमैत्री विचार को लिखिए।
3. विवाह मुहूर्त्त को लिखिये।
4. वधूप्रवेश काल का निरूपण कीजिए।
5. सम्मुख शुक्र विचार का प्रतिपादन कीजिए।
6. विवाह के उपरान्त पतिगृह निवास के फल को लिखिए।
7. विवाह संस्कार में उपयुक्त मासों का निरूपण कीजिए।
8. भकूट दोष एवं परिहार को लिखिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. लग्न से उत्पन्न बाल-विधवा योग परिहार के लिए करना चाहिए :
   (अ) पिप्पल व्रत
   (ब) विवाह
   (स) तीर्थाटन
   (द) गणेश पूजा

2. विवाह में गुरु जन्मस्थान से किन-किन स्थानों में शुभ होता है ?

   (अ) 2, 5, 7

   (ब) 1, 2, 6

   (स) 4, 5, 7

   (द) 4, 8, 12

3. मूल नक्षत्र में उत्पन्न वर-कन्या के विवाहोपरान्त किसका नाश होता है ?

   (अ) सास का

   (ब) श्वसुर का

   (स) पति के ज्येष्ठ भाई का

   (द) देवर का

4. नाड़ी की गुण संख्या है :

   (अ) सात

   (ब) आठ

   (स) पाँच

   (द) दो

5. जलचर संज्ञक राशि है :

   (अ) सिंह

   (ब) कर्क

   (स) धनु

   (द) वृष

6. शूद्र संज्ञक राशियाँ हैं :
   (अ) वृष, कन्या, मकर
   (ब) तुला, मिथुन, कुम्भ
   (स) मेष, सिंह, धनु
   (द) कर्क, वृश्चिक, मीन
7. बुध का मित्र है :
   (अ) चन्द्र
   (ब) शुक्र
   (स) बृहस्पति
   (द) मंगल
8. लग्न से द्वितीय भाव में वक्री पाप ग्रह हो, तो योग होता है :
   (अ) चन्द्राधि योग
   (ब) गजकेसरी योग
   (स) केमद्रुम योग
   (द) कर्त्तरी योग
9. ध्रुवसंज्ञक नक्षत्र है :
   (अ) रोहिणी
   (ब) हस्त
   (स) चित्रा
   (द) रेवती
10. शुक्र के पूर्व दिशा में अस्त होने के कितने मास के बाद पश्चिम दिशा में उदित होता है ?
   (अ) चार मास
   (ब) दो मास
   (स) तीन मास
   (द) आठ मास